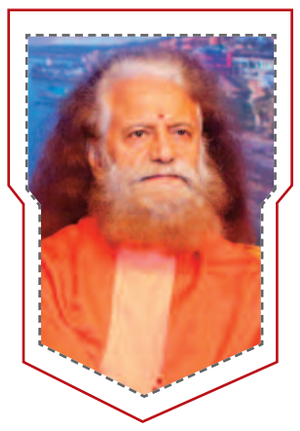

गाजियाबाद , दिल्ली एवं नोएडा से एक साथ प्रकाशित

R.N.I.NO. UPHIN/1998/202

हिन्द आत्मा

दैनिक

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु स्वीकृत

प्रातः कालीन संस्करण

दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ, मोदीनगर, बागपत, हापुड, बुलन्दशहर, मुरादाबाद एवं लखनऊ में सर्वाधिक प्रसारित

वर्ष: 27 • अंक: 67 • गाजियाबाद, शुक्रवार 06 जून, 2025 • सम्पादक-अशोक कौशिक • मूल्य : 1 रूपया

सीएम योगी आदित्यनाथ ने जन्मदिन पर भगवान श्रीराम के दरबार में लगाई हाजिरी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने जन्मदिन पर भगवान श्रीराम के दरबार में लगाई हाजिरी

अयोध्या। गोरक्षपीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने 53वें जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को पवित्र नगरी अयोध्या पहुंचे। इस विशेष दिन पर उन्होंने श्रीरामलला मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया और भगवान श्रीराम की आरती उतारी। मुख्यमंत्री का यह दौरा धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व से परिपूर्ण रहा, जिसमें वे विभिन्न मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए और श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामकथा हेलीपैड पर उतरने के बाद सबसे पहले हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान बजरंगबली की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। हनुमानगढ़ी में पूजा के बाद वे श्रीरामलला मंदिर की ओर रवाना हुए।

इन मंदिरों में हुई देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा

मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला मंदिर के मुख्य परिसर में स्थित अन्य मंदिरों में भी गये, जहां विभिन्न देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। श्रीराम दरबार और शेषावतार के साथ जिन मन्दिरों में प्राण प्रतिष्ठा हुई वे हैं परकोटा के ईशान कोण पर स्थित शिव मंदिर, अग्निकोण में गणेशजी, दक्षिणी भुजा के मध्य में हनुमानजी, नैऋत्य कोण में सूर्य, वायव्य कोण में मां भगवती के साथ परकोटा की उत्तरी भुजा के मध्य में अन्नपूर्णा माता प्रतिष्ठित हुईं। ये सभी प्रतिमाएं सफेद संगमरमर से निर्मित हैं। इन सभी मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा समारोह वैदिक रीति से संपन्न हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री ने सक्रिय रूप से भाग लिया। त्रिदिवसीय समारोह के अंतिम दिन प्रातः साढ़े छह बजे से आह्वानित देवताओं का यज्ञमंडप में पूजन प्रारम्भ हुआ जो दो घंटे चला। इसके पश्चात नौ बजे से हवन शुरू हुआ जो घंटे भर चला। बाद में केंद्रीयकृत व्यवस्था के अंतर्गत एक साथ सभी देवालयों में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान प्रारम्भ हुआ।

श्रीरामलला मंदिर में विधि-विधान से किया दर्शन-पूजन

श्रीरामलला मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम की विधिवत पूजा की और उनकी आरती उतारी। इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ उत्साहपूर्ण माहौल बनाया। मुख्यमंत्री ने भक्तों के साथ संवाद किया और उनकी शुभकामनाएं स्वीकारीं।

राम दरबार के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित राम दरबार में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया। इस समारोह में माता जानकी के साथ सिंहासन पर विराजमान भगवान श्रीराम, उनके साथ खड़े भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के विग्रहों के साथ-साथ भगवान बजरंगबली के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक विधि-विधान से संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। सफेद संगरमर से बनी प्रतिमाएं अलग ही शोभा बिखेर रही थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में गंगा दशहरा के पावन पर्व पर अभिजित मुहूर्त में आज श्रीराम दरबार के साथ मन्दिर परिसर के सभी नवनिर्मित देवालयों में एक साथ सामूहिक मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा हुई।

श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह, लगते रहे जय श्रीराम के जयघोष

मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान श्रीराम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ अपनी भक्ति और उत्साह का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और उनके साथ अपने जन्मदिन की खुशी साझा की। श्रद्धालुओं ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके दीर्घायु की कामना की। इस दौरान श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास, महासचिव चंपत राय, स्वामी गोविंद देव गिरि जी महाराज सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

ब्रजघाट। ज्येष्ठ गंगा दशहरा मेले के दौरान बृहस्पतिवार को गंगानगरी के साथ ही प्रथम गंगा ग्राम पुष्पावती पूठ और कार्तिक पूर्णिमा मेला स्थल लठीरा के तट पर पहुंचे लगभग 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगे मैय्या की जय, हर-हर गंगे और भगवान शिव के जयघोष के साथ गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। मोक्ष, पुण्य और परमात्मा की अनुकंपा पाने के लिए ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर गंगानगरी में हर तरफ भक्ति का सैलाब दिखाई दिया। राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर गंगा नगरी की सड़क और घाटों पर जन समूह नजर आया।

मुख्य स्नान के साथ ही बृहस्पतिवार गंगा नगरी में चल रहे तीन दिवसीय ज्येष्ठ गंगा दशहरे मेले का समापन हो गया। स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने पुजारियों से पूजन और हवन भी कराया गया। पिछले तीन दिनों से गंगानगरी में रौनक बनी रही। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार ब्रजघाट, पुष्पावती और खादर के कच्चे घाटों पर करीब 10 लाख श्रद्धालु पहुंचे। चिलचिलाती गर्मी में बढ़ते पारे की परवाह न करते हुए दिनभर श्रद्धालुओं का ब्रजघाट व अन्य घाटों पर पहुंचने का सिलसिला चलता रहा। श्रद्धालुओं ने गंगा के जयकारों के साथ स्नान शुरू किया तो गंगा घाटों का माहौल भक्तिमय हो गया। मंदिरों में घंटे घड़ियाल की आवाज गूंजती रही। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को लेकर डीएम अभिषेक पांडे, एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह अन्य अधिकारियों को साथ लेकर ब्रजघाट में बाजार, हाईवे, गंगा पर लगातार निरीक्षण करते रहे। दोनों अधिकारियों ने नाव से भी भ्रमण किया। इस दौरान एसपी ने बैरिकेडिंग पार कर गहरे जल में स्नान कर रहे लोगों को कड़ी हिदायत देकर वापस भेजा। वहीं, पुलिस-प्रशासन की मुस्तैदी के कारण हाईवे भी जाम मुक्त रहा, जिस कारण श्रद्धालुओं और राहगीरों को कोई दिक्कत नहीं हुई।

गंगा स्नान करते समय डूबने से पांच की मौत, एक को बचाया

फरुर्खाबाद। यूपी के फरुर्खाबाद जिले में अलग-अलग स्थानों में गंगा स्नान के दौरान डूबने से पांच लोगों की जान चली गई। जबकि गोताखोरों ने एक की जान बचाई। कायमगंज में चचेरे भाइयों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। शमसाबाद में गंगा नदी में पहनावन चढ़ाने के दौरान युवक की डूबकर मौत हो गई। एक घंटे बाद युवक को गोताखोरों ने बाहर निकाला। जनपद मैनपुरी के गांव कुचेला निवासी राजू चौहान का पुत्र शीलू (21) मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव दाउदपुर निवासी मामा बृजेश कुमार के घर रह रहे थे। दाउतपुर निवासी सत्यराम पाल और शीलू ट्रैक्टर लेकर ढाई घाट पर गंगा की पहनावन करने आए थे। पहनावन चढ़ाने के दौरान शीलू डूब गया। गोताखोरों ने एक घंटे बाद शीलू को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। कायमगंज सीओ संजय वर्मा ने बताया कि मामा बृजेश बिना कार्रवाई के भांजे का शव लेकर घर चले गए।

शमसाबाद में गंगा स्नान के दौरान किशोर की डूबकर मौत हो गई। जिला गोंडा थाना वजीरगंज के गांव कदरा निवासी मुनीम का 17 वर्षीय पुत्र सत्यम चाचा दलवीर और चाची पूजा के साथ ढाईघाट पर गंगा दशहरा पर स्नान करने के लिए आया था। परिजनों के मुताबिक, स्नान करते समय वह गहरे पानी में चला गया। चाचा-चाची के शोर मचाने पर गोताखोर पहुंचे। करीब 50 मिनट के बाद किशोर को गंगा से बाहर निकालकर सीएचसी ले जाया गया। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर के चाचा दलवीर और चचेरे चाचा राजेश परिवार सहित जलालाबाद में नग और प्लास्टिक की चटाई का व्यापार करते हैं। चाचा दलवीर ने बताया कि मृतक के पिता गोंडा में खेती करते हैं। भतीजा सत्यम साथ रहता था।

चुनाव आयोग ने लॉन्च किया डिजिटल इंडेक्स कार्ड सिस्टम

नई दिल्ली। भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को कहा कि उसने चुनाव संपन्न होने के बाद इंडेक्स कार्ड और विभिन्न सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित प्रणाली को सुव्यवस्थित कर दिया है। इसमें कहा गया है कि इंडेक्स कार्ड एक गैर-सांविधिक, चुनाव-पश्चात सांख्यिकीय रिपोर्टिंग प्रारूप है, जिसे शोधकताओं, शिक्षाविदों, नीति निमार्ताओं, पत्रकारों और आम जनता सहित सभी हितधारकों के लिए निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर चुनाव-संबंधी डेटा की पहुंच को बढ़ावा देने के लिए विकसित किया गया है। चुनाव आयोग ने कहा कि यह उन्नत प्रणाली पारंपरिक मैनुअल तरीकों की जगह लेगी, जो अक्सर समय लेने वाले और विलंबित होते थे। स्वचालन और डेटा एकीकरण का लाभ उठाकर, नई प्रणाली तेजी से रिपोर्टिंग सुनिश्चित करती है। इसमें कहा गया है कि उम्मीदवारों, मतदाताओं, डाले गए मतों, गिने गए मतों, पाटीवार और उम्मीदवारवार मत प्रतिशत, लिंग आधारित मतदान पैटर्न, क्षेत्रीय विविधताओं और राजनीतिक दलों के प्रदर्शन जैसे विभिन्न आयामों पर डेटा प्रसारित करने के लिए डिजाइन किया गया यह इंडेक्स कार्ड, लोकसभा चुनावों के लिए लगभग 35 और राज्य विधानसभा चुनावों के लिए 14 सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार करने का आधार बनता है। ईसीआई ने कहा कि इन रिपोर्टों में राज्य/पीसी/एसी-वार मतदाता विवरण, मतदान केंद्रों की संख्या, राज्य और निर्वाचन क्षेत्र-वार मतदाता मतदान, महिला मतदाताओं की भागीदारी, राष्ट्रीय/राज्यीय दलों और पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) का प्रदर्शन, विजयी उम्मीदवारों का विश्लेषण, विस्तृत निर्वाचन क्षेत्र-वार परिणाम और सारांश डेटा रिपोर्ट जैसे चर शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि यह समृद्ध, डेटा-संचालित संसाधन गहन चुनावी शोध की क्षमता को बढ़ाता है, जो एक मजबूत लोकतांत्रिक विमर्श में योगदान देता है। हालांकि, ये सांख्यिकीय रिपोर्ट केवल शैक्षणिक और शोध उद्देश्यों के लिए हैं और इंडेक्स कार्ड से प्राप्त द्वितीयक डेटा पर आधारित हैं, जबकि प्राथमिक और अंतिम डेटा संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा बनाए गए वैधानिक प्रपत्रों में रहता है। इसमें कहा गया है कि पहले यह जानकारी निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर भौतिक सूचकांक कार्डों में विभिन्न वैधानिक प्रारूपों का उपयोग करके मैन्युअल रूप से भरी जाती थी। इन भौतिक सूचकांक कार्डों का उपयोग बाद में सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार करने की सुविधा के लिए ऑनलाइन सिस्टम में डेटा प्रविष्टि के लिए किया जाता था।

बीजापुर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़, एक करोड़ का इनामी नरसिम्हा चलम ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके में फोर्स और नक्सलियों के बीच गुरुवार को हुई मुठभेड़ में करीब एक करोड़ रुपये के इनामी खूंखार नक्सली नरसिम्हाचलम उर्फ गौतम उर्फ सुधारक को जवानों ने ढेर कर दिया है।

सुधाकर नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी (सीसीएम) का मेंबर था। उस पर अलग-अलग राज्यों में कुल मिलाकर करीब एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। कई राज्यों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी और आज वो फोर्स के हत्थे चढ़ गया और नक्सली मुठभेड़ में मारा गया इस नक्सल मुठभेड़ को सुरक्ष बलों की बड़ी कामयाबी के रूप में देखी जा रही है। तलाशी अभियान के दौरान एक नग एके-47, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किए गए हैं। वर्ष 2024-2025 में अब तक बस्तर रेंज में 403 माओवादी कैडरों के शव बरामद किए जा चुके हैं। मुठभेड़ स्थल से भागे हुए अन्य माओवादी कैडरों की तलाश के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान अभी भी जारी है। माओवादियों के बड़े कैडर तेलंगाना राज्य समिति सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव और कुछ अन्य सशस्त्र माओवादी कैडर्स के जमा होने की सूचना पर संयुक्त फोर्स नक्सल आपरेशन पर निकली थी। इसमें डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त बल को अभियान पर भेजा गया था। गुरुवार सुबह में बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके के घने जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में जवानों ने टॉप नक्सली कमांडर नरसिम्हाचलम उर्फ गौतम उर्फ सुधाकर को ढेर कर दिया। क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों की संख्या बढ़ भी सकती है। आपरेशन खत्म होने के बाद फोर्स डिटेल में जानकारी देगी। पुलिस और सुरक्षा बलों ने एक बार फिर दोहराया है कि वे क्षेत्र में शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। साथ ही शेष माओवादी कैडरों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की गई है। वर्ष 2024-2025 की अवधि में अब तक बस्तर रेंज में माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ों में 403 से अधिक माओवादी कैडरों के शव बरामद किए जा चुके हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे पर स्लीपर कोच बस में लगी आग, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

सादाबाद (हाथरस)। यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार की रात्रि बड़ा हादसा हुआ। गुरुग्राम से बिहार के अरनिया जा रही स्लीपर कोच बस में अचानक आग लग गई। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। बस से कूदकर यात्रियों ने अपनी जान बचाई। हादसे में कोई हताहत तो नहीं हुआ है, लेकिन कुछ यात्रियों का सामान जल गया। दिल्ली से आगरा की ओर जाने के दौरान सादाबाद क्षेत्र में माइल स्टोन 145 के पास यह हादसा हुआ। स्लीपर कोच टूरिस्ट बस गुरुग्राम से बिहार के अरनिया जा रही थी। बस में 42 यात्री सवार थे। रात्रि करीब 11 बजे बस में शार्ट सर्किट से स्पार्किंग के बाद बस में आग लग गई। चालक ने बस को रोका। आग की लपटें देखकर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और उन्होंने तुरंत बस से कूदकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। सभी यात्री समय रहते बस से उतर गए थे।

गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। सभी यात्री समय रहते बस से उतर गए थे। आग लगने के सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है, लेकिन माना जा रहा है कि बस में शार्ट सर्किट से आग लगी होगी। बस में आग लगने की सूचना मिलते ही सादाबाद, खंदौली थाने की पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह से जलकर राख हो चुकी थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। यात्रियों के अनुसार, आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरी बस जलकर राख हो गई। समय रहते यात्रियों की जान बचाने के प्रयासों की वजह से बड़ा हादसा टल गया। सीओ सादाबाद हिमांशु माथुर ने बताया कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। यात्रियों को दूसरी बस से गंतव्य को भिजवाया जा रहा है।

बंगलूरू पुलिस कमिश्नर समेत अधिकारियों पर गिरी गाज, सिद्धारमैया ने लापरवाही पर की कार्रवाई

बंगलूरू। बंगलूरू में एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत और 50 से ज्यादा लोगों के घायल होने पर कर्नाटक सरकार की तरफ से बड़ी कार्रवाई की गई है। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर, स्टेशन हाउस मास्टर, स्टेशन हाउस ऑफिसर, एसीपी, सेंट्रल डिवीजन डीसीपी, क्रिकेट स्टेडियम प्रभारी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने अपने बयान में कहा कि कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर, स्टेशन हाउस मास्टर और स्टेशन हाउस ऑफिसर, साथ ही सेंट्रल डिवीजन के एसीपी (असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस), डीसीपी (डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस), क्रिकेट स्टेडियम प्रभारी अधिकारी, एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस और कमिश्नर ऑफ पुलिस– इन सभी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया गया है।

सीएम सिद्धारमैया ने आगे कहा कि हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस माइकल डी कुन्हा की अध्यक्षता में हमने एक सदस्यीय आयोग नियुक्त किया है आयोग 30 दिनों में रिपोर्ट सौंपेगा। वहीं सीएम ने कहा- आरसीबी, इवेंट मैनेजर डीएनए, केएससीए, जिन्होंने उनका प्रतिनिधित्व किया, हमने उन्हें गिरफ्तार करने का निर्णय लिया है।

आरोप-प्रत्यारोप जारी

वहीं बंगलूरू भगदड़ पर कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने बड़ा बयान दिया और सरकार पर लग रहे लापरवाही के आरोपों के बीच उन्होंने इवेंट के आयोजन से पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने कहा कि हमें किसी इवेंट का आयोजन नहीं किया, न ही हमने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम को बंगलूरू बुलाया। वे खुद ही यहां आए। दरअसल, भाजपा समेत तमाम राजनीतिक दलों ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच जारी अनबन की वजह से जरूरी व्यवस्थाओं में चूक हुई और इतना बड़ा हादसा हो गया।

वहीं कर्नाटक सरकार ने बंगलूरू हादसे के बाद सबक लेते हुए एलान किया है कि आगे से राज्य में किसी भी बड़े आयोजन के प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे और इसके लिए पूरा एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर-मानक ढांचा) बनाया जाएगा। इस एसओपी में उन नियम-शर्तों का उल्लेख होगा, जो बड़े आयोजन के लिए अनिवार्य होंगे। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए इसकी जानकारी दी।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा- विजय जुलूस पहले भी निकाले गए हैं, लेकिन विजय जुलूस हमेशा कम से कम 2 दिन बाद निकाले जाते थे। भीड़ प्रबंधन की उचित व्यवस्था करने के लिए इस समय अंतराल की आवश्यकता है। सीएम और डिप्टी सीएम ने टीम को विजय जुलूस के लिए मजबूर किया और ये सभी व्यवस्थाएं सिर्फ 12 घंटे में की गईं, और इसका नतीजा 11 लोगों की मौत थी। जब अल्लू अर्जुन की फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मची, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। कांग्रेस सरकार ने उनकी गिरफ्तारी के आदेश दिए। अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के उसी सिद्धांत पर क्या डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया को भी गिरफ्तार किया जाएगा?

जीडीए ने राजनगर एक्सटेंशन में चलाया अतिक्रमण विरोधी अभियान

यातायात जाम से मिली निजात: जीडीए ने मेरठ रोड से राजनगर एक्स. की मुख्य बँधा रोड पर अतिक्रमण हटाया

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने गुरुवार को मेरठ रोड से बन्धा रोड, राजनगर एक्सटेंशन को जोड़ने वाली 45 मीटर चौड़ी सड़क पर किए गए अवैध अतिक्रमण को सफलतापूर्वक हटाकर हजारों शहरवासियों को यातायात जाम से मुक्ति दिलाई। यह अतिक्रमण लंबे समय से लोगों के लिए भारी ट्रैफिक और अनावश्यक देरी का कारण बना हुआ था, जिससे उनकी दैनिक जीवनचर्या बाधित हो रही थी। इस समस्या को लेकर ट्रैफिक पुलिस द्वारा भी पत्र के माध्यम से जीडीए को अवगत कराया था। जीडीए उपाध्यक्ष ने 30 मई, 2025 को हुई एक समीक्षा बैठक में इस गंभीर समस्या पर गंभीरता से विचार किया और सड़क के दोनों ओर से अतिक्रमण हटाने के तत्काल निर्देश दिए। इन्हीं निदेशों का पालन करते हुए, प्रवर्तन जोन-1 ने 5 जून, 2025 दिनांक को सुबह 10 बजे दो विशेष टीमों के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया जोकि पूरे दिन जारी रहा। अभियान के दौरान स्थानीय विकासकताओं और निर्माणकताओं की ओर से कुछ विरोध का सामना करना पड़ा, लेकिन गठित टीम ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी। स्थल पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्तागण उपस्थित रहें। इस कार्रवाई से राजनगर एक्सटेंशन की मुख्य मानी जाने वाली सड़क अब पूरी तरह से जाम मुक्त व यातायात के लिए सुगम हैं, इससे क्षेत्र के हजारों निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। जीडीए शहर को बेहतर यातायात सुगम और अन्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्यरत है और यह कदम स्थानीय लोगों के आवागमन को आसान बनाने के लिए उठाया गया है। आगामी माह में भी गाज़ियाबाद की सड़को को अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान जीडीए द्वारा जारी रहेगा। साथ ही राजनगर एक्स्टेंशन की अन्य सड़को के निर्माण का कार्य भी कराया जा रहा है जिससे यातायात की समस्या से लोगो को निजात मिल सके।

जीपीडीपी, पीडीआई समितियां के सदस्यों, मॉडल ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों तथा मीडियाकर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। डी.पी.आर.सी., पंचली खुर्द, मेरठ द्वारा गुरुवार को जनपद गाजियाबाद के विकास भवन के दुर्गावती सभागार में जीपीडीपी, पीडीआई समितियां के सदस्यों, मॉडल ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों, तथा मीडियाकर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें अभिनव गोपाल मुख्य विकास अधिकारी, गाजियाबाद द्वारा व प्रदीप कुमार पांडे, परियोजना अधिकारी गाजियाबाद द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रजनन कर शुभारंभ किया गया। जिसमें प्रदीप कुमार द्विवेदी, जिला पंचायत राज अधिकारी, गाजियाबाद द्वारा पंचायती राज व्यवस्था पर सभी प्रतिभागियों को जानकारी दी गई। राष्ट्रीय प्रशिक्षक सुमन उपाध्याय द्वारा सतत विकास के लक्षण का स्थानीयकरण पर, राष्ट्रीय प्रशिक्षक ब्रजवीर दहिया द्वारा एलएसडीजी 09 थीम/थीमेटिक जीपीडीपी पर, व राज्य सलाहकार पुष्पेंद्र सिंह शाक्य द्वारा पंचायत विकास सूचकांक नया नाम पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स आदि विषयों पर सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों, प्रतिनिधियों, मीडिया कर्मियों को विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी, समस्त प्रशिक्षकगण, चरन जीत, मेरठ व डॉ० दीपक सिंह, वरिष्ठ फैकल्टी, डीपीआरसी हापुड उपस्थित रहे और सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सफलता पूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया।

आरकेजीआईटी में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण का किया गया आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। राजकुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलोजी एण्ड मैनेजमेन्ट में विश्व पर्यावरण दिवस पर 5 जून को कॉलेज में डायरेक्टर डा. राकेश गोयल द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के वाईस चेयरमैन अक्षत गोयल ने कहा गया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण संरक्षण के महत्व की याद दिलाता है। यह दिन प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को समझने और प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर ध्यान देने का अवसर है, इसलिए हमें एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। कॉलेज के निदेशक डा. राकेश गोयल द्वारा कहा गया कि विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने का मकसद लोगों को पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक और सचेत करना है। प्रकृति बिना मानव जीवन संभव नहीं। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि हम पेड़-पौधों के महत्व को समझें। इस अवसर पर कॉलेज की डीन डा मनोरमा शर्मा, डा अरूण कुमार पाण्डे, डा आभा वत्स, संदीप सिंह आदि अध्यापक एवं स्टाफगण मौजूद रहें।

आईटीएस डेंटल कॉलेज ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

हिन्द आत्मा संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर गाजियाबाद में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस-2025 की थीम प्लास्टिक प्रदूषण खत्म को खत्म करना रहा। यह थीम पृथ्वी की एक सबसे जटिल और गंभीर पर्यावरण समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करती है। पर्यावरण में फैला प्रदूषण धीरे-धीरे वैश्विक संकट बनते जा रहा है, जिसके प्रति लोगों को जागरूक करने का ही है प्रकृति दिवस है। इसके खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिये ही इस दिन की शुरूआत की गई। प्रदूषण से पृथ्वी से लेकर वायु मंडल व इस पर रहने वाले सभी जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है, वनों की अनियंत्रित कटाई, पॉलिथिन का प्रयोग इसका मुख्य कारण है, जिसके परिणाम स्वरूप बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग, चक्रवात, बाढ़, तूफान आदि का खतरा दुनिया पर मंडरा रहा है। वैज्ञानिक व पर्यावरणविद् लगातार इसे लेकर लोगों को जागरूक होने की सलाह दे रहे है। ऐसे में सभी को जरूरत है पौधारोपन की जिसके माध्यम से पार्यावरण को शुद्ध बना सकते है। इसी अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज में कई गतिविधियों की श्रृंखला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान की ओपीडी तथा शिविर स्थल विजय नगर, मुरादनगर रेलवे रोड़ में आने वाले मरीजों को वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों और स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वातावरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त संस्थान में स्टाफ और फैकल्टी द्वारा पौधारोपण किया गया। साथ ही स्वच्छ पर्यावरण के महत्व एवं प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए संस्थान द्वारा मरीजों को जागरूक भी किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ ज्ञानवर्धक मंच प्रदान हुआ, जिसके लिए सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

इनमैनटेक इंस्टीट्यूट में मेरिटोरियस अवार्ड सेरेमनी का आयोजन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। आध्यात्मिक नगर स्थित इनमैनटेक संस्थान में 'मेरिटोरियस अवार्ड सेरेमनी' का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. पंकज ए. गुप्ता, निदेशिका (शैक्षणिक व प्रशासन) डॉ. लतिका गुप्ता, डीन स्टूडेंट वेलफेयर हिना मेहता, सचिव क्षितिज अग्रवाल, डीन डॉ. नितिन सक्सेना, रजिस्ट्रार डॉ. दीपक सक्सेना, लॉ विभाग प्राचार्य डॉ. पुष्पराज सिंह, एडमिशन हेड प्रो. सुधीर श्रीवास्तव, सहायक डीन (आई.टी.) डॉ. मुक्ता मखिजा एवं सहायक डीन (मैनेजमेन्ट) डॉ. रश्मि कौशिक ने दीप प्रज्वल्लित कर किया। इनमैनटेक संस्थान सदैव मेद्यावी एवं प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करता रहा है। इसी परम्परा को जारी रखते हुए इनमैनटेक संस्थान ने इस वर्ष भी एम.सी.ए. एवं एम.बी.ए के छात्र-छात्राओं के लिए 'मेरिटोरियस अवार्ड सेरेमनी का आयोजन किया। इस अवसर एम.सी.ए. एवं एम.बी.ए के छात्र-छात्राओं को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इस 'मेरिटोरियस अवार्ड सेरेमनी में छात्र-छात्राओं के माता-पिता को भी निमंत्रित किया गया एवं सम्मानित किया गया। एम.बी.ए मे अंकाक्षा शर्मा, रिया अग्रवाल, संध्या बंसल, वर्णप्रीत कौर एवं अलिजा अशरफ तथा एम.सी.ए मे विनय सैनी, मनीष सिंह, सानिध्य वत्स, अभिषेक मिश्रा एवं श्वेता सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस सेरेमनी में संस्थान के एम.सी.ए. एवं एम.बी.ए के छात्र-छात्राओं के लिए किया गया। इस अवसर पर प्रो. नवनीत त्यागी, प्रो. गिरीश बंसल, प्रो. कुलदीप कुमार, प्रो. प्रिंसी त्यागी, प्रो. कमल नैन, डॉ. मनी कंसल व आई.टी. और मैनेजमेन्ट विभाग के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन द्वारा 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस का हुआ आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद में गुरूवार को जिला प्रशासन द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन प्राथमिक विद्यालय कवि नगर में किया गया। उक्त कार्यक्रम में 40 फलदार वृक्षों अमरूद, आम आदि का वृक्षारोपण किया गया। साथ ही पर्यावरण शिक्षा को बाल्यकाल से ही जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन, शिक्षक, अध्यापिकाएं उपस्थित रहे।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर पीएम श्री प्रा. विद्यालय कविनगर में सीएम योगी के जन्मदिवस पर प्रकृति को समर्पित सौगात

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय, कविनगर, नगर क्षेत्र गाजियाबाद में गुरूवार को एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, संकल्प और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। यह दिन और भी ऐतिहासिक बन गया क्योंकि आज उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री, गोरक्षपीठाधीश्वर, जननायक योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस भी है। उनका जन्म 5 जून 1972 को उत्तराखंड के पंचूर गांव में हुआ था। 1994 में उन्होंने संन्यास लेकर राष्ट्र सेवा को जीवन का उद्देश्य बनाया और आज वे उत्तर प्रदेश की जनता के लिए प्रेरणास्त्रोत बन चुके हैं। उनका जन्मदिन स्वयं विश्व पर्यावरण दिवस पर पड़ना, उनके जीवन मूल्यों व पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ओ.पी. यादव जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, गाजियाबाद रहे।

इन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में पर्यावरण शिक्षा को बाल्यकाल से ही जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर नरेंद्र कुमार बिल्लू, महानगर अध्यक्ष सेल्फ फाइनेंस प्रोग्रेसिव स्कूल प्रबंधक संगठन, गाजियाबाद रहे। इन्होंने निजी शिक्षण संस्थानों की भूमिका को रेखांकित करते हुए समाज में पर्यावरण चेतना फैलाने का आह्वान किया। शिक्षा अधिकारीगण इश्क लाल, खंड शिक्षा अधिकारी, नगर क्षेत्र गाजियाबाद, डॉ. अभिषेक यादव, खंड शिक्षा अधिकारी, नगर क्षेत्र गाजियाबाद इन दोनों अधिकारियों ने प्राथमिक शिक्षा में पर्यावरणीय सोच को समावेशित करने पर बल दिया। श्रीमती नेहा, महिला कल्याण अधिकारी, गाजियाबाद ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण में सरकारी योजनाओं और सामुदायिक सहभागिता को अनिवार्य बताया। श्रीमती पूनम शर्मा, एस.आर.जी. गाजियाबाद ने विद्यालय में गठित इको क्लब को सशक्त बनाने की बात कही। समाजसेवी अतिथि श्रीमती वंदना चौधरी, संस्थापिका गीतांजलि फाउंडेशन, श्रीमती काजल छिब्बर, संस्थापिका साथी फाउंडेशन आदि समाजसेवियों ने विशेष रूप से महिला सहभागिता और मातृत्व को हरियाली से जोड़ते हुए अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम' को आत्मा प्रदान की। शिक्षक प्रतिनिधि विश्वजीत राठी, खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को पर्यावरण प्रहरी बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विशेष सहभागिता मनमाया शिक्षिका, किड्स किंगडम एकेडमी एंड डे केयर की उपस्थिति ने कार्यक्रम को बाल शिक्षा व बाल सहभागिता की दृष्टि से विशेष गरिमा प्रदान की। वृक्षारोपण एवं संकल्प विद्यालय परिसर एवं विद्यालय के सामने नगर निगम पार्क में लगभग 100 से अधिक पौधों का रोपण किया गया, जिन्हें बच्चों और शिक्षकों ने 'माँ के नाम' समर्पित कर भावनात्मक जुड़ाव भी स्थापित किया।

कार्यक्रम संयोजन एवं संचालन प्रधानाध्यापक राजकुमार जी ने सभी गणमान्य अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए पूरे आयोजन को प्रेरक, अनुशासित एवं भावनात्मक स्वरूप प्रदान किया। सभी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को जन्मदिवस की सामूहिक शुभकामनाएँ दीं और पर्यावरण संरक्षण हेतु संकल्प, सद्भाव और समर्पण का भाव लेकर कार्यक्रम का समापन किया। 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हर माँ को हरियाली का सच्चा उपहार देने का संकल्प है।

सनातन की मजबूत नींव पर आकार ले रहा विकसित भारत : योगी

महंत नृत्यगोपाल दास के 87वें जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में बोले सीएम, अयोध्या में लौट रहा त्रेतायुगीन वैभव

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और मणिरामदास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास जी महाराज के 87वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने अयोध्या के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की मजबूत नींव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प साकार हो रहा है। डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से अयोध्या में त्रेतायुगीन वैभव की वापसी हो रही है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन अत्यंत अभिभूत करने वाला और आनंदमयी है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे पूज्य महंत नृत्यगोपाल दास जी के जन्मदिवस समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि पूज्य संतों की दिव्य साधना और आशीर्वाद के कारण ही भारत नए भारत के रूप में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिना रुके और डिगे विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में जुटे हैं।

मुख्यमंत्री ने राम मंदिर आंदोलन और प्राण प्रतिष्ठा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद गत वर्ष 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। आज रामदरबार और राम मंदिर में देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा का कार्य भी पूर्ण हुआ है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण सनातन धर्म की मजबूत नींव का प्रतीक है। उन्होंने काशी, महाकाल, केदारपुरी और सोमनाथ मंदिरों के सौंदर्यीकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मंदिरों पर सनातन धर्म की मजबूत नींव टिकी है। इस नींव पर मजबूत और भव्य भारत का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने मणिरामदास छावनी के गौरवशाली इतिहास का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 18वीं सदी से 21वीं सदी तक, इस छावनी की 300 वर्षों की कठोर साधना का इतिहास रहा है। साक्षात माता जानकी ने इस परंपरा के संत को दर्शन दिए, जिसके कारण यह परंपरा फली-फूली। उन्होंने कहा कि महंत नृत्यगोपाल दास के नेतृत्व में राम जन्मभूमि आंदोलन को सफलता मिली और आज अयोध्या विश्व की सुंदरतम नगरी के रूप में विकसित हो रही है। मुख्यमंत्री ने डबल इंजन सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अयोध्या में त्रेतायुगीन वैभव की वापसी हो रही है। रामायण में वर्णित चौड़ी सड़कों और बाग-उपवनों वाली अयोध्या आज साकार हो रही है। उन्होंने जिक्र करते हुए कहा कि आज सूर्यवंश की राजधानी अयोध्या देश की पहली सोलर सिटी बन चुकी है। राम की पैड़ी पर पहले काई जमी होती थी, लेकिन अब सरयू का जल स्वच्छ रहता है। पांच लाख श्रद्धालु एक साथ राम की पैड़ी में स्नान कर सकते हैं। नया घाट से गुप्तार घाट तक घाटों की नई शृंखला स्थापित हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने गंगा दशहरा और विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर बोलते हुए कहा कि आज ही के दिन महाराज भगीरथ की तपस्या के फलस्वरूप देवनदी गंगा धराधाम पर अवतरित हुई थीं। मां गंगा हमारी मुक्ति और भुक्ति का कारक हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि अयोध्या में सरयू के जल को स्वच्छ रखने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आईएमए गाजियाबाद एवं माइक्रोलैब्स ने मिलकर आईएमए भवन में किया गया कार्यक्रम का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईएमए गाजियाबाद एवं माइक्रोलैब्स ने मिलकर आईएमए भवन पर एक आयोजन किया। जिसमें प्लांटेशन, बोनसाई फॉरमेशन और इकोब्रिक बनाने की विधियों के बारे में चर्चा हुई। इस अवसर पर डॉक्टर सरिता आनंद द्वारा ईको ब्रिक बनाने की विधियां बताई गई तथा डॉक्टर अंजना सभरवाल और डॉ० सरला मेहता ने भी लेक्चर लिए। प्रतिभागियों को टी-शर्ट डिस्ट्रीब्यूशन किया गया। जो लोग इकोब्रिक बनाकर लाए थे उनको सम्मानित किया गया और बनी बनाई बोनसाई की एग्जीबिशन लगाई गई एवं खरीदारों ने उनको खरीदा। इस अवसर का

आईएमए के डॉक्टर ने लाभ उठाया। कार्यक्रम में डॉक्टर राजीव गोयल अध्यक्ष, डॉक्टर सार्थक केसरवानी सचिन, डॉ० राजीव कुमार कोषाध्यक्ष, डॉ० अल्पना कंसल अध्यक्ष निर्वाचित, डॉ० रीनू गोयल एवं माइक्रोलैब्स की तरफ से प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

मोदीनगर नगर पालिका द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 1 जून से 5 जून तक किया गया विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। उत्तर प्रदेश शासन के आदेशानुसार पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली एवं अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र के निर्देशन में 1 जून से 5 जून तक विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। गुरुवार को मोदीनगर नगर पालिका द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम की इस वर्ष थीम रही 'एंडिंग प्लास्टिक पोल्लूशन' के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर लगातार जागरूकता अभियान चलाकर लोगो से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करने की अपील की गई। इस दौरान जिन दुकानदारों को प्रतिबन्धित प्लास्टिक का उपयोग करते हुए पाया गया उनकी प्लास्टिक को जप्त कर कर उन पर जुमार्ने की कार्यवाही की गई। इसके अलावा नगर के विभिन्न वार्डो में घर से निकलने वाली प्लास्टिक बोतल आदि के संग्रहण के लिये विशेष अभियान चलते हुए, एकत्रित प्लास्टिक को (आरआरआर) केंद्र पर जमा कराया गया। 05 जून को विभिन वार्डो की (एसवीपीएस) सदस्यों एवं सभासदों तथा नारी शक्ति एनजीओ की महिला अध्यक्ष आदि के साथ वृक्षारोपण कार्य सम्पन करने के पश्चात लोगो को कपड़े के थैले वितरित करते हुए उन्हें पॉलिथीन बैग इस्तेमाल न करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे उमेश चंद आनंद कर अधीक्षक, अमरीश कुमार सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, अंकित चौधरी कर निरीक्षक, वेद प्रकाश, ललित त्यागी, रजनीश चौधरी आदि सभासद अन्य सामाजिक संस्थाओं से जुड़े महिला एवं पुरुष पदाधिकारी मौजूद रहे।

गंगा दशहरे के पर्व पर अग्रवाल महासभा ने किया शर्बत वितरित

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गंगा दशहरे के पावन पर्व पर अखिल भारतीय वैश्य अग्रवाल महासभा की जिला, महानगर एवं महिला इकाई ने संयुक्त रूप से मालीवाड़ा चौराहे के नजदीक लोकप्रिय अस्पताल के बाहर कैम्प आयोजित कर हजारों लोगों को मीठे शर्बत का वितरण किया गया। इससे पूर्व संस्था के पदाधिकारियों ने महाराजा अग्रसेन जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर भाजपा के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने इस सेवा के लिए संस्था के सभी पदाधिकारियों की सराहना की तथा शर्बत वितरण में भी सहयोग किया। दो तीन घंटे चले इस कैंप में हजारों लोगों ने शर्बत ग्रहण किया। इस मौके पर संस्था के जिलाध्यक्ष सुभाष चंद्र गुप्ता दिनेश अग्रवाल जिला मंत्री, कालीचरण गुप्ता नगर अध्यक्ष, अनिल मित्तल, एस.एल. अग्रवाल, नरेन्द्र कुमार नंदी, एल.एम. अग्रवाल, वी.के. अग्रवाल, महिला जिला अध्यक्ष भारती गर्ग, जिला मंत्री अमिता गोयल, मंत्री रेखा अग्रवाल, रेनू गर्ग, ऊषा गर्ग, राजबाला, रजनी गुप्ता, संदीप बंसल, विपिन अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

सांसद अतुल गर्ग का अतुल जैन ने किया स्वागत सम्मान

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। पुलवामा में आतंकवादियों द्वारा हिंदू पर्यटकों की धर्म पूंछ पूंछ कर की गई हत्या के बाद भारत की सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकियों के अड्डों को समाप्त किया और काफी सारे आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के साथ-साथ पाकिस्तान द्वारा किए गए सभी हमलों को सेना द्वारा हवा में ही नष्ट कर दिया गया। पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों को पालकर जिस तरह का आतंक फैलाने का कार्य किया जा रहा था उसका अब पूर्ण रूप से भंडाफोड़ हो गया है और पाकिस्तान की पोल खुल गई है। ऑपरेशन सिंदूर अभी चालू है और भारत की सेना किसी भी तरह की आतंकवादी घटना का जवाब देने के लिए तैयार है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारत के अन्य सभी राजनीतिक दलों का समर्थन इस कार्यवाही में प्राप्त हुआ है। भारत द्वारा विभिन्न देशों में सर्व दलीय प्रतिनिधिमंडल भेजे गए। बड़े ही गर्व की बात है कि हमारे लोकप्रिय सांसद अतुल गर्ग को भी चार देशों की यात्रा पर प्रतिनिधिमंडल के साथ भेजा गया था जहां पर भारत की ओर से पाकिस्तान की पोल खोलते हुए और उनकी सेना के संरक्षण में आतंकवादियों द्वारा की गई अमानवीय कायरता पूर्ण कृत्य के बारे में सभी को बताया गया, अतुल गर्ग द्वारा चारों देशों की सरकार और उनके मंत्रियों के साथ बैठक करके पाकिस्तान के द्वारा की गई समस्त कायराना हरकत को विस्तार से बताया और अपने देश का पक्ष सभी के सम्मुख रखा, पाकिस्तान द्वारा कराई गई आतंकवादी घटना सभी ने भर्त्सना की। सांसद अतुल गर्ग का चार देशों की यात्रा के बाद गाजियाबाद पहुंचने पर भव्य स्वागत सम्मान पार्टी के कार्यकर्ताओं और समाज के सभी वर्गों द्वारा किया गया, उसी क्रम में गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल के अध्यक्ष एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूशंस फाउंडेशन के महासचिव डॉ. अतुल कुमार जैन ने उनके निवास पर पहुंचकर पुष्प गुच्छ भेंट करके सांसद अतुल गर्ग का स्वागत सम्मान किया और बताया कि गाजियाबाद शहर के लिए और यहां के सभी निवासियों के लिए बड़े ही गर्व की बात है कि लगातार शीर्ष नेतृत्व द्वारा हमारे सांसद को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जाती है यह सभी उनकी क्षमता का प्रमाण है।

'जीडीए द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ'

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। अतुल वत्स उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्राधिकरण कार्यालय के प्रांगण में वृक्षारोपण करते हुये शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात सचिव, मुख्य अभियन्ता, विशेष कार्याधिकारी एवं अन्य अधिकारियों द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष जीडीए द्वारा प्राधिकरण के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को शपथ दिलाई गयी कि ह्वमैं प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी व वन्य जीव है की रक्षा करूॅगा और उसका संवर्धन करूॅगा तथा प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखूंगा। साथ ही पर्यावरण सुधार से जुड़े कार्यक्रम भू-जल संरक्षण (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) प्राकृतिक झीलों का सुधार, वन्य जीवो की रक्षा, प्राकृतिक संसाधनो का संरक्षण, अत्याधिक एवं सघन वृक्षारोपण, वृक्षो का कटान रोकना, ध्वनि तथा निर्माण कार्यो को इस प्रकार किया जाए, जिससे धूल व अन्य प्रदूषणकारी वस्तुओं को रोका जा सके। इसें अतिरिक्त गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा पर्यावरण सुधार कार्यक्रम के तहत प्रतिवर्ष वृहद वृक्षारोपण, शहर में अधिक से अधिक हरियाली विकसित करने के लिए नये पार्को का विकास एवं पूर्व विकसित पार्को का सुदृढीकरण एवं समुचित रख-रखाव करता रहा है। वर्तमान वर्ष 2025-26 में प्राधिकरण को वृक्षारोपण हेतु 81,400 पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष प्राधिकरण द्वारा अपने संसाधनो से कुल 82,000 पौधों का रोपण किया जायेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सांसद डॉ० राजकुमार सांगवान व निवाड़ी चेयरमैन अनिल त्यागी ने किए पौधे रोपित

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। अनिल त्यागी अध्यक्ष नगर पंचायत निवाड़ी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सांसद डॉ० राजकुमार सांगवान की उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पंचायत अधिकारियों व कर्मचारियों सहित गण मान्य व्यक्ति मौजूद रहे। गुरुवार को नगर पंचायत निवाड़ी अध्यक्ष द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हुए नगर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बागपत लोकसभा सांसद डॉ राजकुमार सांगवान शामिल हुए। जिनके द्वारा नगर में कई जगहों पर पौधे रोपित किए गए। इस दौरान उनके साथ मौजूद रहे मुख्य लोगों में अरुण त्यागी, अक्षित त्यागी, मनीष त्यागी, अधिवक्ता सौरभ त्यागी, निशांत शर्मा सहित नगर पंचायत अधिकारी एवं कर्मचारी गणों सहित नगर के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हिमालय बचाओ, जीवन बचाओ: किशोर उपाध्याय ने विश्व पर्यावरण दिवस पर जलवायु संकट को लेकर दी वैश्विक चेतावनी

नई दिल्ली (हिन्द आत्मा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'Voice of Ganga and Himalaya-A Global Organization' के तत्वावधान में "Melting Himalayan Glaciers, Dying Ganga" विषय पर एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम IIC, नई दिल्ली में संपन्न हुआ, जिसमें देशभर से पर्यावरणविद, नीति-निमार्ता, छात्र और सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिमालय और गंगा न केवल हमारी प्रकृति के प्रतीक हैं, बल्कि भारत की आत्मा भी हैं। इनका संरक्षण केवल पर्यावरण मंत्रालय की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। हमें इसे जन आंदोलन बनाना होगा। वरिष्ठ विधायक, पर्यावरणविद और The Global Himalay Organisation के मेंटर किशोर उपाध्याय ने इस अवसर पर कहा कि हिमालय केवल उत्तर भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण दक्षिण एशिया का जीवन-स्रोत है। यदि इसके ग्लेशियर इसी तरह पिघलते रहे तो आने वाली पीढ़ियों को पीने का पानी भी नसीब नहीं होगा। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक आपदा की आहट है। उन्होंने हाल ही में प्रकाशित वैश्विक अध्ययन का हवाला देते हुए बताया कि नॉर्वे के स्वालबार्ड क्षेत्र सहित आर्कटिक में ग्लेशियर कैसे तेजी से पिघल रहे हैं, और यह चेतावनी हिमालयी क्षेत्र के लिए भी उतनी ही प्रासंगिक है।

इस जागरूकता अभियान को सफल बनाने में Save Himalaya Charitable Foundation Maharashtra ने एक केंद्रीय भूमिका निभाई। संस्था ने न सिर्फ कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि जनचेतना फैलाने, नीति-निमार्ताओं से संवाद स्थापित करने और युवाओं को जोड़ने में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। संस्था के सीईओ आशीष तुली ने कहा कि हिमालय का संरक्षण, मानव सभ्यता के भविष्य को सुरक्षित रखने की पहली शर्त है। हमें मिलकर इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे, क्योंकि यह सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि मानवता के अस्तित्व का सवाल है। फाउंडेशन के ट्रस्टी करण दोशी ने भी इस मौके पर कहा कि आज हिमालय सिर्फ बर्फ नहीं खो रहा, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति और जीवन की निरंतरता भी खतरे में है। हमें भावनात्मक और वैज्ञानिकइ दोनों स्तरों पर जुड़कर हिमालय को बचाने की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाना होगा। लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ए. के. बाजपेयी ने अपने संबोधन में कहा कि हिमालय का संकट केवल पारिस्थितिकीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्तित्व का संकट है। हमारी नीतियों को अब आपातकालीन मोड में जाकर पर्यावरण केंद्रित बनाना होगा, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों को माफ करने का अवसर नहीं मिलेगा। किशोर उपाध्याय, जो तीन बार टिहरी विधानसभा से विधायक रह चुके हैं और उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं, बीते 45 वर्षों से हिमालय क्षेत्र में सामाजिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक सरोकारों के लिए लगातार संघर्षरत हैं। उन्होंने टिहरी डैम विस्थापन, वन अधिकार, और हिमालयी नदियों के संरक्षण जैसे मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर पर आवाज उठाई है। उन्होंने यह भी बताया कि वे दो पूर्व प्रधानमंत्रियों के साथ नीति निर्माण प्रक्रिया में भी जुड़े रहे हैं और INTACH जैसी संस्थाओं के साथ मिलकर सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु अनेक पहल कर चुके हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने "Save Himalayas, Save Water, Save Lives" का सामूहिक संकल्प लिया और सरकारों व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से अपील की कि वे जलवायु संकट को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और हिमालय को संरक्षित करने के लिए ठोस और टिकाऊ नीतियां बनाएं।

सम्पादकीय

साख पर सवाल

लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में शुचिता और पारदर्शिता प्राथमिक शर्त है। मगर राजनीतिक नफे-नुकसान के गणित में सरकारों ने सबसे अधिक कमजोर इन्हीं संस्थाओं को किया है। शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची है, जो भ्रष्टाचार और कदाचार की जकड़बंदी से मुक्त हो। फिर भी जब इन संस्थाओं के भीतर से ही शुचिता लाने के संकल्प उभरते हैं, तो स्वाभाविक रूप से बेहतरी की उम्मीद बनती है। देश की न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। निचली अदालतों पर तो ऐसे आरोप आम रहे हैं, पर ऊपरी अदालतों में भी पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामले सामने आए हैं, जिससे न्यायपालिका की साख पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने इस समस्या को साफगोई से स्वीकार किया और इसे दूर करने का संकल्प दोहराया है, तो सकारात्मक नतीजों का भरोसा बना है। ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और कदाचार की घटनाओं से जनता का भरोसा टूटता है। दुख की बात है कि न्यायपालिका के भीतर भी भ्रष्टाचार और कदाचार के मामले सामने आए हैं। यह बात उन्होंने दिल्ली में न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से बरामद जली नगदी नोटों के संदर्भ में कही।

प्रधान न्यायाधीश ने भारतीय न्यायपालिका के भीतर जड़ें जमा रही या जमा चुकी उन सभी समस्याओं को बड़े साफ शब्दों में स्वीकार किया, जिन्हें लेकर अंगुलियां उठती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में उच्चतम न्यायालय और कुछ उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के राजनीतिक दबाव में या निजी स्वार्थ साधने के मकसद से फैसले सुनाने को लेकर काफी असंतोष जाहिर किया जाता रहा है। कुछ न्यायाधीशों ने सेवामुक्त होने के तुरंत बाद सरकारी पद स्वीकार कर लिया, तो कुछ चुनावी मैदान में उतर गए। इसे किसी भी रूप में नैतिक नहीं माना गया। हालांकि अब उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने संयुक्त रूप से संकल्प लिया है कि वे सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे, न इस्तीफा देकर चुनाव लड़ेंगे। इससे यह उम्मीद तो बनी है कि शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश सत्ता के किसी दबाव में आकर कोई फैसला सुनाने से बच सकेंगे। राजनीतिक लोभ और दबाव से मुक्त हुए बिना न्यायपालिका सही अर्थों में अपने दायित्व का निर्वाह नहीं कर सकती। इसलिए प्रधान न्यायाधीश का इस दिशा में प्रयास सराहनीय है। लोकतंत्र में न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा इसलिए भी बने रहना बहुत जरूरी है कि यही एक स्तंभ है, जिस पर संविधान की रक्षा का दायित्व और राजनीतिक तथा व्यवस्थागत कदाचार पर नकेल कसने का अकूत अधिकार है। यह भी अनुभव जगजाहिर है कि जब भी न्यायपालिका कमजोर दिखती है, तो सत्ता पक्ष की मनमानियां बढ़ती जाती हैं। इसीलिए न्यायाधीशों का व्यक्तिगत आचरण बहुत मायने रखता है। मगर पिछले कुछ वर्षों में इस तकाजे को जैसे भुला दिया गया है। कुछ न्यायाधीशों के सुर्खियां बटोरने के लोभ की वजह से न्यायिक सक्रियता का सवाल भी उठना शुरू हुआ था। कालेजियम प्रणाली और न्यायाधीशों की नियुक्ति में पक्षपात आदि के आरोप भी सुगबुगाते रहे हैं। इन सभी पहलुओं पर प्रधान न्यायाधीश ने बड़ी बेबाकी से बात की और उन्हें दुरुस्त करने का भरोसा दिलाया है। निस्संदेह इससे बहुत सारे लोगों की उम्मीदें बलवती होंगी। पर देखने की बात होगी कि ये संकल्प जमीन पर कितना उतर पाते हैं।

बेंगलुरु में व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे का बेनकाब होना

ललित गर्ग

बढ़ते तापमान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के बाद आयोज्य जश्न के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं खेल व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। आरसीबी विक्ट्री परेड के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास अचानक मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और क्रिकेट सितारों को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे खिलाडियों एवं राजनेताओं द्वारा नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें हो जाने के बावजूद जश्न जारी रहना, दुखद एवं शर्मनाक है। प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि खिलाड़ियों को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास तीन लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का मौत की खबरें मिलने के बावजूद खिलाडियों के साथ जश्न मनाने में जुटा रहना उनकी प्रचार भूख का भौंडा उदाहरण है। जब मौत के बाद वहां पसरा मातम देखकर सब स्तब्ध थे तो सिद्धारमैया क्यों अपने पद की गरिमा एवं जिम्मेदारी को धूमिल कर रहे थे? सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है? जब खुद सरकार एक जश्न का मातम में बदलने का नेतृत्व करेगी तो आम लोगों का कांप उठना स्वाभाविक है। बहरहाल, आईपीएल का आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छूता हुआ व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। उनके करोड़ों प्रशंसकों की कतारे देख कर राजनेता भी उनकी साथ मंच सांझा करने को उत्सुक दिखे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, अन्य मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी भी इसी फिराक में अपनी जिम्मेदारियों को भूल जश्न मनाते रहे और आमजनता अव्यवस्थाओं के कारण मौत में समाती रही। यह ऐसी दुखद घटना है जो अपनी निर्दयता एवं क्रूरता के लिये लम्बे समय तक कौंधती रहेगी। सिद्धारमैया के इस घटना की तुलना प्रयागराज कुंभ में हुए हादसे के करना उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रही है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे में भी अनेकों लोगों की जान गयी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। कई बार आयोजनकर्ताओं और पुलिस के बीच समन्वय की कमी होती है, जिससे सुरक्षा चूक हो सकती है। भीड़ प्रबंधन केवल विधि-व्यवस्था बनाए रखने का विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों की संरचना और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियों से गहनता से संबद्ध है। दुर्भाग्यवश, कई बार आयोजकों और प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किये जाते, जिससे जानमाल की हानि होती है। इस परिदृश्य में, बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की मौजूदा स्थिति, उससे जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ, हालिया घटनाओं से मिले सबक और प्रभावी समाधानों की चर्चा करना बेहद प्रासंगिक होगा, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक उत्सव, खेल आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में लाखों लोग जुटते हैं। ऐसे आयोजनों के लिये पुलिस, होम गार्ड, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया जाता है। विश्व के विभिन्न विकसित देशों में भीड़ प्रबंधन के लिये अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। जापान जैसे देशों में रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्यधिक भीड़ के प्रबंधन के लिये ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम स्थापित किये गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में स्टेडियमों, एयरपोर्ट्स एवं धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिये एआई आधारित कैमरे, आपातकालीन अलर्ट सिस्टम और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं। हालाँकि भारत में बड़े आयोजनों के लिये प्रशासनिक तैयारियाँ की जाती हैं, फिर भी समय-समय पर कई कमियाँ उजागर होती रही हैं। लेकिन आरसीबी के चिन्नास्वामी स्टेडियम के जश्न के दौरान खामियां ही खामियां देखने को मिली। ऐसे बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन कोई आसान कार्य नहीं है। लाखों लोगों को नियंत्रित करने के लिये ठोस रणनीति, प्रशासनिक कौशल और अत्याधुनिक तकनीक की आवश्यकता होती है, जिसका इस आयोजन में सर्वथा अभाव रहा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक अशोक कौशिक द्वारा फाल्गुन बुक्स एंड प्रिन्टर्स, ए-1/185 स्वदेशी कॉम्पलैक्स, कविनगर इंडस्ट्रीयल एरिया, गाजियाबाद- 201001 से छपवाकर 308 अंसल सुमैधा बिल्डिंग, आर.डी.सी. राजनगर गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक	:	**अशोक कौशिक**
समाचार सम्पादक	:	**राकेश शर्मा**
कानूनी सलाहकार	:	राजकुमार शर्मा, प्रदीप त्यागी, विकास त्यागी
मो.	:	9810149213
फोन	:	0120-4113213
E-mail	:	hindatma@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गाजियाबाद होगा।

ऋषिकेश के राकेश कुमार ने जीती एसओजी ग्रैंडमास्टर सीरीज (उत्तर और पूर्वी क्षेत्र), शहर में हुआ सम्मान समारोह

हिन्द आत्मा संवाददाता

उत्तराखंड। हाल ही में आयोजित एसओजी ग्रैंडमास्टर्स सीरीज चैम्पियनशिप में ऋषिकेश के राकेश कुमार ने उत्तर और पूर्वी क्षेत्र के लिए इंडियन रम्मी ग्रैंडमास्टर का खिताब अपने नाम किया है। कुमार की इस उल्लेखनीय उपलब्धि को शहर में एक विशेष समारोह में सम्मानित किया गया, जिसमें ऋषिकेश के मेयर शंभु पासवान भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की, जिनमें एसओजीग्रैंडमास्टर्स सीरीज के टूनामेंट डायरेक्टर गौरव ध्यानचंद, ध्यानचंद फाउंडेशन के अध्यक्ष और हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के पोते तथा पूर्व वायुसेना अधिकारी एवं हॉकी खिलाड़ी डी.पी. रतूड़ी शामिल थे।

Skillhub Online Games Federation (SOGF) द्वारा आयोजित एसओजी ग्रैंडमास्टर्स सीरीज ने देशभर से 1,50,000 से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित किया, जिससे यह भारत के सबसे बड़े स्किल-बेस्ड गेमिंग इवेंट्स में से एक बन गया। 29 से 30 अप्रैल तक गुरुग्राम के हयात रीजेंसी में आयोजित इस दो दिवसीय चैम्पियनशिप में शतरंज, दृष्टिबाधितों के लिए शतरंज, और रम्मी जैसी मानसिक खेलों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिससे भारत की उभरती प्रतिभा को मंच मिला।

एसओजीफ को राकेश कुमार की इस सफलता पर गर्व है, जो न केवल क्षेत्र के लिए सम्मान की बात है, बल्कि नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को मानसिक खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा भी देती है। एसओजी ग्रैंडमास्टर्स सीरीज को इसकी अभिनव फिजिटल (फिजिकल + डिजिटल) अवधारणा के लिए जाना जाता है, जो मानसिक खेलों को अधिक सुलभ और समावेशी बनाती है। यह चैम्पियनशिप स्किल-बेस्ड गेम्स को एक मान्यता प्राप्त प्रतिस्पर्धी क्षेत्र के रूप में विकसित करने की व्यापक पहल का हिस्सा है, जब भारत का खेल उद्योग 2030 तक $130 बिलियन तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। इस पहल की शुरूआत अधिवक्ता नंदन झा द्वारा की गई थी, जो एसओजीफ के संस्थापक हैं, और इसमें टेक प्लेटफॉर्म पार्टनर के रूप में रम्मी कल्चर का सहयोग प्राप्त है।

एसओजीफ के बारे में:

2023 में स्थापित और नई दिल्ली में मुख्यालय स्थित, Skillhub Online Games Federation (SOGF) एक गैर-सरकारी संगठन है, जो भारत के ईस्पोर्ट्स और प्रतिस्पर्धी ऑनलाइन गेमिंग समुदाय का प्रमुख प्रतिनिधि निकाय है। यह भारत में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग को प्रोत्साहित और विनियमित करता है और यह देश का पहला ऐसा फेडरेशन है, जो नेशनल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कोड 2011 तथा इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी और इंटरनेशनल पैरालंपिक कमिटी ऑफ इंडिया के दिशा-निदेर्शों का पालन करता है। SOG की शुरूआत केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ निदेशक डॉ. संदीप चटर्जी द्वारा की गई थी। यह फेडरेशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया और युवा विकास के विजन के अनुरूप काम करता है। संगठन ने भारत सरकार के 2023 के आईटी कानूनों के तहत अपनी कार्यकारी संरचना स्थापित की है और इसे ऑनलाइन स्किल गेम्स ओलंपियाड जैसी पहलों के लिए व्यापक पहचान मिली है, जो रम्मी, शतरंज, पोकर और लूडो जैसे स्किल-बेस्ड गेम्स को बढ़ावा देती है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन सं0- ई-70ए व ई-71ए, पटेलनगर बौझा, पिन सं.- सीसी 61292/सीसी 61290 गाजियाबाद नगर निगम के सम्पत्तिकर अभिलेखों में दर्ज नाम श्रीमती सुनीता रानी के स्थान पर श्री गोविन्द सिंह द्वारा अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु दर्ज गृह स्वामी/ स्वामिनी का मृत्यु प्रमाण-पत्र व शपथ-पत्र, पहचान-पत्र, पारिवारिक सदस्यता सूची, अन्य वारिसानों का अनापत्ति शपथ-पत्र एवं निर्धारित शुल्क जमा करने के साथ प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है।

आवेदक/आवेदकगण के प्रार्थना-पत्र व संलग्न साक्ष्यों के आधार पर भवन सं.- ई-70ए व ई-71ए, पटेलनगर बौझा, पिन सं.- सीसी 61292/सीसी 61290 पर नाम परिवर्तन किये जाने हेतु नियमानुसार नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 213 की नोटिसें दिनांक 04.06.2025 को जारी की जा चुकी है। यदि किसी भी व्यक्ति को उपरोक्तानुसार प्रस्तावित नाम परिवर्तन पर कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रमाणित साक्ष्यों के साथ लिखित रूप से जोनल कार्यालय सिटी जोन, गाजियाबाद नगर निगम को प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर आवेदक श्री गोविन्द सिंह का नाम भवन सं.- ई-70ए व ई-71ए, पटेलनगर बौझा, पिन सं.- सीसी 61292/सीसी 61290 पर अंकित कर दिया जायेगा। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

कर अधीक्षक-सिटी जोन
नगर निगम गाजियाबाद।

शोक सन्देश

नैनं छिदन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारूतः।।

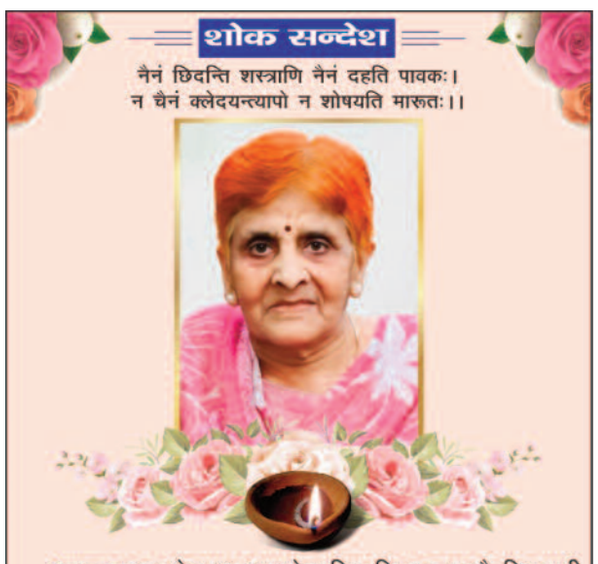

अत्यन्त दु:ख के साथ आपको सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीय माताजी श्रीमती सरोजनी शर्मा धर्मपत्नी स्व. श्री वेद प्रकाश शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 28 मई 2025 दिन बुधवार को हो गया है। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।

जिनकी तेरहवीं दिनांक 08 जून 2025, दिन रविवार को होनी निश्चित हुई है।

कार्यक्रम

हवन .... 8.30 बजे प्रातः
निवास : आर-10/34, राजनगर, गाजियाबाद।
ब्रह्मभोज .... 1.00 बजे दोपहर
शोक सभा .... 3.00 बजे दोपहर
आर-5/50ए, आर्य समाज मन्दिर, राजनगर, गाजियाबाद।

: शोकाकुल :

ललित कुमार शर्मा (पुत्र)
सम्पादक, वेलकम इंडिया न्यूज
सम्पादक, जिला गाजियाबाद
मो. : 9891116568

संजीव शर्मा (पुत्र)
कुमार इंटरप्राइजेज
मो. : 9268566079

लू से 700 मौतें हो गई, राजनीतिक दलों ने उफ तक नहीं की

योगेंद्र योगी

देश में आम लोगों की जिन्दगी कोई मोल नहीं है। कम से कम सरकारों और राजनीतिक दलों की नजर में तो बिल्कुल नजर नहीं आता। मुद्दा यदि वोट बैंक से जुड़ा हुआ हो, तभी राजनीतिक दल कुछ गंभीरता बेशक दिखा लें किन्तु लोगों के जीवन-मरण जैसे मुद्दों से लगता यही है कि उनका कोई सरोकार नहीं रह गया है। यदि ऐसा नहीं होता तो अदालतों को मौसम की मार से होने वाली मौतें रोकने के लिए सरकारों को दिशा-निर्देश नहीं देने पड़ते। आश्चर्य की बात यह है कि प्रतिकूल मौसम से आम लोगों को बचाने की जिम्मेदारी केंद्र और राज्यों की सरकारों की है, किन्तु यह काम भी अब अदालतों को करना पड़ रहा है। इससे सवाल खड़ा होता है कि आखिर सरकारों की जरूरत कितनी सीमित रह गई है। हीटवेव से 700 से ज्यादा मौतों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने पूछा है कि इतने बड़े मौसमी संकट से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर क्या तैयारी की जा रही है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने गृह मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह याचिका पर्यावरण कार्यकर्ता विक्रांत तोंगड़ ने दाखिल की। उन्होंने कोर्ट से गुजारिश की है कि सरकार को गर्मी की चेतावनी देने वाली प्रणाली, हीटवेव की पहले से जानकारी देने की व्यवस्था, और 24 घंटे काम करने वाली राहत हेल्पलाइन जैसी सुविधाएं लागू करने के निर्देश दिए जाएं। याचिका में यह भी बताया गया है कि 2019 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने हीटवेव से निपटने के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश जारी किए थे, लेकिन कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अब तक उस पर काम ही नहीं किया। याचिका में यह भी जिक्र है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 35 के अनुसार केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस तरह की आपदा से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम करे। इससे पहले राजस्थान हाईकोर्ट ने अधिकारियों के रवैये पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि पिछले साल दिए गए अदालत के निर्देशों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि.

पत्रांक : 707 अल्पकालीन ई-निविदा सूचना :- 07/2025-26/EUDC-I/GZB
दिनांक 05.06.2025

कार्य का नाम: - उपमुख्य लेखाधिकारी, परिक्षेत्रीय लेखा कार्यालय, कविनगर, गा०बाद, के प्रयोगार्थ 01 डीजल वाहन (चालक सहित) वर्ष 2025-26 (01.07.2025 से 31.03.2026) हेतु बाह्य एजेन्सी के माध्यम से उपलब्ध कराये का कार्य	
ई-निविदा प्रपत्र शुल्क: रू0 1180	धरोहर राशि: रू0 2250
ई-निविदा की अंतिम तिथि: 20 जून 2025, 11:00 बजे	
विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र बेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएं वेबसाईट पर ही प्रदर्शित की जाएगी।	

अधीक्षण अभियन्ता विद्युत नगरीय वितरण मण्डल-प्रथम पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि0 ए-ब्लॉक, हाईडिल कॉलोनी, कविनगर, गाजियाबाद।

राष्ट्रहित में बिजली बचायें।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद
विकास पथ गाजियाबाद

सार्वजनिक नोटिस

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक/आवेदकों ने नीचे सारणी के स्तम्भ-3 में उल्लिखित सम्पत्ति, जो प्राधिकरण की आवासीय योजना के अन्तर्गत स्थित है, का अंतरण/नामान्तरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:-

क्र0 सं0	आवंटी/पट्टेदार का नाम	भूखण्ड सं0/योजना का नाम	आवेदक का नाम	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	श्री हरीचन्द पुत्र श्री ठाकुर दास	आर-14/148 राजनगर	श्रीमती नीलम अरोड़ा पत्नी स्व. श्री प्रवीण अरोड़ा व श्रीमती उर्वशी अरोड़ा पत्नी स्व. श्री पंकज अरोड़ा (पुत्रवधू)	आर-14/148, राजनगर, गाजियाबाद 9899326667	आवंटी श्री हरीचन्द, मृतक की पत्नी व पुत्रगण श्रीमती लक्ष्मी श्री नवीन कुमार अरोड़ा, श्री प्रवीण अरोड़ा एवं श्री पंकज अरोड़ा का देहान्त क्रमशः दिनांक 31.10.2014, 14.05.2018, 30.09.2015, 26.12.1997 व 20.11.2004 को होने के कारण	फ्री-होल्ड

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भूखण्ड के अन्तरण/नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकते हैं, अन्यथा स्तम्भ-4 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का अन्तरण/नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चातवर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नहीं किया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पति, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

वेलनेस अर्थात जियो लेकिन होश में जियो: स्वामी चिदानन्द सरस्वती

स्वामी चिदानन्द सरस्वती की उज्जैन में आयोजित आध्यात्मिक और वेलनेस समिट में गरिमामयी उपस्थिति

हिन्द आत्मा संवाददाता

उज्जैन/ऋषिकेश। आध्यात्मिक चेतना और वेलनेस क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल के तहत आज उज्जैन में आध्यात्मिक और वेलनेस समिट का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर पूज्य संत, सरकार, उद्योग जगत, आयुष, तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े प्रमुख विशेषज्ञों और निवेशकों ने सहभाग किया। भारत की सांस्कृतिक राजधानी उज्जैन, जो महाकाल की नगरी और सिंहस्थ जैसी भव्य परंपरा की साक्षी रही है, जहाँ कालचक्र का संचालन करने वाले महाकालेश्वर स्वयं विराजमान हैं। यह नगर सप्तपुरियों में से एक है। आज एक और ऐतिहासिक आयोजन की गवाह बनी। आध्यात्मिक और वेलनेस समिट के माध्यम से न केवल भारत की प्राचीन आध्यात्मिक और चिकित्सा परंपराओं को सम्मानित किया गया, बल्कि उन्हें आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियों और वैश्विक अवसरों से भी जोड़ा गया। यह समिट मध्यप्रदेश सरकार, पीएस, डीपीआईपी, आनंद विभाग, पर्यटन, आयुष, स्वास्थ्य विभाग और एमपीआईडीसी के सहयोग से आयोजित की गयी। जिसमें नीति-निमार्ताओं, उद्योग प्रतिनिधियों, आध्यात्मिक गुरुओं और वेलनेस क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञों की सहभागिता रही। समिट का शुभारंभ पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा मुख्य वक्तव्य के साथ हुआ। उज्जैन के माननीय कलेक्टर ने सिंहस्थ 2028 के परिप्रेक्ष्य में वेलनेस सेक्टर की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इसके बाद दो सत्रों में प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। पैनल चर्चा के दौरान साझेदारी मॉडल पर मंथन हुआ। पहले सत्र में सरकार की नीतियों, वेलनेस पर्यटन ढांचे और क्षेत्र को सशक्त बनाने हेतु भागीदारी मॉडल पर चर्चा हुई। पर्यटन विभाग, उद्योग भागीदारों और विशेषज्ञों ने भारत को वेलनेस हब बनाने के विजन को साझा किया।

दूसरे सत्र में वेलनेस और हेल्थकेयर सेक्टर के लिए कौशल विकास, आयुष प्रणाली और स्वास्थ्य संरचना को मजबूत बनाने पर संवाद हुआ। तकनीकी शिक्षा आयुक्त और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशिक्षण और अवसरों की संभावनाओं पर चिंतन किया। साथ ही वेलनेस इकोसिस्टम पर भी चर्चा हुई। स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट का उद्घाटन परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और सभी विशिष्ट अधिकारियों व पदाधिकारियों ने वेद मंत्र और दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात एक विशेष ऑडियो-विजुअल के द्वारा उज्जैन, वेलनेस का केंद्र बिंदु के बारे में सभी को जानकारी दी गयी। पर्यटन विभाग द्वारा ह्यवेलनेस सेक्टर का रोडमैपह्व प्रस्तुत किया गया, जिसमें नीति, संरचना, निवेश और प्रशिक्षण की योजनाएं शामिल थीं।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि वेलनेस केवल शरीर का स्वास्थ्य नहीं, बल्कि मन और आत्मा की शुद्धता है। जब हम प्रकृति, योग, ध्यान और सात्विकता से जुड़ते हैं, वही तो वास्तविक वेलनेस है। आज की यह समिट केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि एक चेतना है शुद्ध जीवन, संतुलित जीवन और सम्पूर्ण जीवन की ओर लौटने की यात्रा है। उज्जैन ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की प्राचीन परंपराएं और आधुनिक वेलनेस कितना आवश्यक है। उज्जैन से उठी यह वेलनेस की ज्योति अब संपूर्ण भारत और विश्व को आलोकित करेगी। भारत का आयुर्वेद, योग, प्राणायाम, ध्यान, और सात्विक आहार सदियों से न केवल रोगों से मुक्ति का, बल्कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आत्मिक शांति का आधार रहा है। आज जब आधुनिक जीवन भागदौड़, तनाव, अनियमित खानपान और अत्यधिक मोबाइल उपयोग से प्रभावित है, ऐसे में वेलनेस समिट एक जागरूकता का केंद्र बनकर उभरी है। इस अवसर पर स्वामी जी ने डिजिटल डिटॉक्स और मोबाइल फास्टिंग की आवश्यकता पर जोर देते हुये कहा कि आपकी अत्यधिक स्क्रीन टाइम आपके मानसिक और भावनात्मक सेहत के लिए घातक भी हो सकती है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन, वैश्विक वेलनेस राजधानी के रूप में विकसित हो रही है। यह समिट उज्जैन की प्राचीन आत्मा और भारत की आधुनिक चेतना का संगम है। यह न केवल नीति-निमार्ताओं और निवेशकों का मंच है बल्कि स्वास्थ्य, संतुलन और सात्विकता के विकास का दर्शन भी है। उज्जैन केवल तीर्थ नहीं, बल्कि वैश्विक वेलनेस संस्कृति का केन्द्र बनकर उभर रहा है। उज्जैन सदियों से न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक चेतना का केन्द्र रहा है, बल्कि यहां की शांत व सात्विक ऊर्जा, प्राकृतिक वातावरण और आध्यात्मिक परंपरा इसे वेलनेस पर्यटन के लिए उपयुक्त स्थल बनाती है। जे. एन. कंसोटिया , अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग, मध्य प्रदेश शासन ने बताया कि सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए यह समिट इस दिशा में एक रणनीतिक पहल रही, जिसमें वेलनेस इकोसिस्टम को सशक्त बनाने और निवेश को प्रोत्साहन देने की दिशा में सार्थक चर्चा हुई। समिट में आयोजित पैनल चचाओं में भाग लेने वाले विशेषज्ञों ने बताया कि आज के युवा वर्ग को यदि वेलनेस की ओर आकर्षित करना है तो हमें उसे आधुनिक भाषा, सुविधाजनक संरचना और वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना होगा। इस कड़ी में आधुनिक हेल्थकेयर और आयुष प्रणाली का समन्वय, वेलनेस सेक्टर में कौशल विकास, और आयुर्वेदिक पर्यटन की असीम संभावनाओं पर चर्चा की गई। आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने रूद्राक्ष का दिव्य पौधा मुख्यमंत्री मोहन यादव को उपहार स्वरूप भेंट किया और आह्वान किया की अपनी धरती माता को स्वस्थ व समृद्ध रखने के लिये एक पौधे का रोपण अवश्य करे। इस अवसर पर उद्योग जगत के मुकुंद प्रसाद, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, लीजर होटल्स, डॉ. मृत्युंजय स्वामी, प्रबंध निदेशक, शतायू आयुर्वेद योग रिट्रीट, श्री रजुल भार्गव, निदेशक, सीएचएल हॉस्पिटल्स और अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में 11 कुण्डीय यज्ञ का हुआ आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, मोदीनगर के आवाहन पर सरस्वती शिशु मंदिर सारा रोड पर सामूहिक 11 कुंडीय हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें शामिल हुए परिवारों ने वायु शुद्धि के लिए पूजाअर्चना करते हुएआहुति दी। गुरुवार को गोविंदपुरी स्थित सारा रोड सरस्वती शिशु विद्या मंदिर प्रांगण में पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित 11 कुंडीय यज्ञ के मुख्य यज्ञकर्ता आनन्द जी के निदर्शो में आए हुए समाज के परिवारों ने वायु शुद्धि हेतू यज्ञ में आहूति देते हुए पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए प्रतिबद्ध रहने का प्रण लिया प्रण लिया। इस अवसर पर विभाग संयोजक प्रदीप कुमार ने कहा की पर्यावरण शुद्धि के लिए हमे निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए देश सेवा हम वातावरण शुद्ध रख कर भी कर सकते है। उन्होंने कहा वैसे भी पर्यावरण आज एक विश्व स्तर की समस्या बन गया है, हमें एक साथ एकजुट होकर पर्यावरण को बचाने के लिए आगे आते हुए प्रतिज्ञा लेनी होगी कि हम जल बचाएंगे, पेड़ लगाएंगे, घर के कचरे का घर में ही निस्तारण करने का प्रयास करेंगे और ऊर्जा का संरक्षण करेंगे। इस अवसर समाज के अनेक गणमान्य एवं पर्यावरण प्रेमी अपने अपने परिवार सहित इस यज्ञ में उपस्थित रहे।

गौरीशंकर मंदिर में राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा दशहरे के अवसर पर गौरी शंकर मंदिर में मीठा जल वितरण किया

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। राष्ट्रीय परशुराम परिषद से जुड़े पदाधिकारियों एवं मंदिर समिति द्वारा संयुक्त रूप से दशहरा पर्व के मौके पर नगर वासियों के बीच ठंडे शरबत का वितरण किया गया। राहगीरों ने भयंकर गर्मी से बचने के लिए ठंडे मीठे शरबत से अपनी प्यास बुझाई। गुरुवार को राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा सीकरी खुर्द गांव स्थित गौरी शंकर मंदिर प्रांगण में दशहरा पर्व के अवसर पर लोगों के लिए मीठे शरबत का भंडारा लगाया गया। इस दौरान राष्ट्रीय परशुराम परिषद से जुड़े पदाधिकारी सहित मंदिर समिति से जुड़े सदस्यों ने राहगीरों को ठंडे शरबत का वितरण कर धर्म लाभ उठाया। सेवा करने वालों में मुख्य रूप से मंदिर के महंत नारायण शास्त्री, संजय प्रधान, निखिल वत्स, राजकुमार मास्टर, शेखर त्यागी, महेंद्र चंदेला, ब्रह्म सिंह, ओमवीर जांगिड, देवदत्त वत्स, अंशुल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

श्रीमद भागवत गीता ज्ञान यज्ञ से भक्तिमय हुआ जौनपुर का पुराहरिनारायण गांव

हिन्द आत्मा संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के पुराहरिनारायण गांव में चिंतामणि दुबे के यहां चल रहे श्रीमद भगवत गीता ज्ञान यज्ञ एवं गीता ज्ञान सत्संग के मुख्य अतिथि गाजियाबाद के महंत विजय गिरी जी महाराज जूना अखाड़ा ने भी राज्यसभा सांसद जौनपुर की श्रीमती सीमा द्विवेदी को माला पटका पहनाकर स्वागत किया गया। जिसमें यज्ञ मंडप के समीप बने कुंड में हवन की आहूति दी एवं कथा में भक्तों का तांता लगा रहा। हवन कुंड से निकलने वाले धुएं से वायुमंडल शुद्ध हो रहा है। राधे-कृष्ण के जयकारे लगाते श्रद्धालु यज्ञ मंडप के परिक्रमा करने में लीन रहे। गीता ज्ञान यज्ञ होने से पूरा पुराहरिनारायण गांव भक्तिमय हो गया है। यज्ञशाला के समीप बने भव्य व आकर्षक मंच पर संध्या होते ही वृंदावन से आए बाल कलाकारों के रासलीला दिखाई जाती है। मंगलवार की रात्रि बाल कलाकारों के द्वारा राधा-कृष्ण की झांकी के साथ रासलील प्रारंभ किया। भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला प्रस्तुत कर कलाकारों ने दर्शकों का मनमोह लिया। कथा के मुख्य यजमान चिंतामणि दुबे एवं सावित्री दुबे परिवार के सदस्य एवं पं. उमा निवास शुक्ला, विनोद दुबे, मुक्तामणि दुबे, अनिल दुबे, प्रदीप दुबे, मनोज दुबे, मुकेश दुबे, संदीप दुबे, तेजस दुबे आदि हैं। श्रीमद् भागवत गीता के मुख्य अतिथि महंत विजय गिरी जी महाराज ने बताया कि नौ दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ में काफी दूरदराज से श्रद्धालु आ रहे हैं, इनके ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। यज्ञ में प्रतिदिन गीता का ज्ञान दिया जा रहा है जिसका लोग काफी अनुकरण कर रहे हैं। नौ दिवसीय श्रीमद भगवत गीता ज्ञान यज्ञ 5 जून को हवन एवं विशाल भंडारे के साथ संपन्न हुआ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर निभा फाउंडेशन द्वारा निगम संग वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर निभा फाउंडेशन द्वारा वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन नगर निगम के सहयोग से प्रताप विहार तिकोना पार्क में वृक्षारोपण का कार्य एवं पर्यावरण संरक्षण शपथ कार्यक्रम के रूप में किया गया। कार्यक्रम में संस्था की सभी महिला पदाधिकारी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष निभा श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष किरण श्रीवास्तव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा डिमरी आदि की उपस्थिति से नारी शक्ति का अद्भुत संगम दिखाई दिया। महिला प्रमुख उषा नेगी, रेखा चौहान, अभिलाषा, हरजित कौर, लता पांडे, और प्रभा चौहान जैसी प्रतिभाशाली महिलाओं का इस कार्यक्रम में शामिल होना उल्लेखनीय व प्रेरणादायक रहा। राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष निभा श्रीवास्तव के अनुसार कार्यक्रम में सभी का सहयोग और समर्थन महिला सशक्तिकरण के लिए एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक है। संस्था की ओर से सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और आभार व्यक्त किया गया।

कभी अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं पर गोलियां चलती थीं, आज पुष्पवर्षा होती है: सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने अयोध्या में सरयू महोत्सव और नगर निगम के दो वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम को किया संबोधित, पौधरोपण अभियान का किया शुभारंभ

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने एक दिवसीय अयोध्या दौरे के दौरान चौधरी चरण सिंह पुष्प वाटिका में पौधरोपण किया। इसके बाद उन्होंने राम कथा पार्क में आयोजित अयोध्या नगर निगम के वर्तमान बोर्ड के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने गंगा दशहरा, सरयू महोत्सव और विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दीं, साथ ही अयोध्या के विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए नगर निगम द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि कभी अयोध्या आने वाले रामभक्तों पर गोलियां चला करती थीं, श्रद्धालुओं पर लाठी डंडे बरसाकर प्रताड़ित किया जाता था, मगर आज श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा होती है और उन्हें आरओ का शुद्ध पानी पीने को मिलता है। अयोध्या आज पूरी दुनिया के सामने 'अतिथि देवो भवः' की नई परिभाषा गढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कि आज अयोध्या की पहचान विश्व पटल पर बदल रही है। 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा ने 500 साल के लंबे इंतजार को समाप्त किया। यह भारत के पुनर्वैभव की स्थापना का प्रतीक है। उन्होंने गुरुवार को श्रीरामलला मंदिर में हुए श्रीरामदरबार सहित 7 अन्य मंदिरों में देव विग्रहों की स्थापना के लिए श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया और सभी सनातन धर्मावलंबियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने गंगा दशहरा के पावन अवसर पर सरयू महोत्सव के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मां सरयू और भगवान श्रीराम का गहरा संबंध है। अयोध्या की पहचान मां सरयू के बिना अधूरी है। हजारों वर्षों से यह पवित्र नदी हमें दर्शन दे रही है। उन्होंने सरयू महोत्सव के आयोजन के लिए सभी को बधाई दी और कहा कि यह आयोजन अयोध्या की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को और समृद्ध करेगा। उन्होंने मां गंगा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराज भगीरथ की तपस्या के फलस्वरूप मां गंगा धरती पर अवतरित हुईं। गंगा न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे भारत और विश्व का अन्न भंडार भरती हैं। यह दुनिया की सबसे उर्वर भूमि है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आधुनिक भारत का भगीरथ बताया। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई नमामी गंगे परियोजना की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले गंगा का जल प्रदूषित हो गया था। पिछली सरकारों द्वारा विकास के नाम पर अनियोजित और अवैज्ञानिक ढंग से कार्य करने के चलते गंगा पूरी तरह से प्रदूषित हो गई थीं। लेकिन नमामी गंगे के माध्यम से गंगा की अविरलता और निर्मलता को पुनर्स्थापित किया गया। प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने इसकी निर्मलता का साक्षात्कार किया है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए यह अभियान शुरू किया है। अगर हर व्यक्ति एक पेड़ मां के नाम पर लगाए, तो पर्यावरण संकट कभी नहीं आएगा। उन्होंने बताया कि सुबह लखनऊ में अपने आवास पर बेल और उसके बाद अयोध्या में सरयू तट पर पुष्प वाटिका में पीपल, पाकड़, नीम और नौग्रहों के पेड़ लगाए गए हैं।

बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाएगी भारतीय जनता पार्टी

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश वन विभाग के आगामी अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 23 जून को श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भारतीय जनता पार्टी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के हर जनपद की कम से कम एक नदी को पुनर्जनन का संकल्प लिया गया है। इसके अंतर्गत 1 से 7 जुलाई तक नदियों के तटवर्ती क्षेत्रों में पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। साथ ही हाईवे और एक्सप्रेसवे के किनारे भी बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जाएगा। उन्होंने सभी से अपील की कि वे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में हिस्सा लें।

सीएम ने की अयोध्या नगर निगम की प्रशंसा

मुख्यमंत्री ने अयोध्या नगर निगम के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, सभी पार्षदों और अधिकारियों को दो वर्ष के कार्यकाल की बधाई दी। उन्होंने कहा कि महापौर के नेतृत्व में नगर निगम शानदार कार्य कर रहा है। इस अवसर पर 30 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और 33 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने अयोध्या के बदलते स्वरूप की चर्चा करते हुए कहा कि पहले यहां बिजली, पानी और साफ-सफाई की कमी थी, लेकिन आज अयोध्या स्वच्छ और सुंदर नगरी बन चुकी है। उन्होंने नगर निगम की तीन महिला सफाईकर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किए जाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहले अयोध्या में लाखों श्रद्धालु आते थे, लेकिन पिछले वर्ष 16 करोड़ श्रद्धालु आए। यह नगर निगम के बेहतर प्रबंधन का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने अयोध्या के विकास कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में अब अपना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। मठ-मंदिरों का सौंदर्यीकरण हो रहा है। राम की पैड़ी का विस्तार हुआ है, जहां सरयू का जल अब स्वच्छ रहता है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा वर्णित अयोध्या का दिव्य स्वरूप आज साकार हो रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि अयोध्या में मां जानकी, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान, सुग्रीव, जामवंत, माता शबरी और निषाद राज के नाम पर वाटिकाएं विकसित की जाएं। उन्होंने अयोध्या वासियों से जिला प्रशासन के साथ मिलकर किसी नदी को पुनर्जनन का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने अयोध्या नगर निगम के दो वर्ष पूरे होने से संबंधित एक स्मारिका का भी विमोचन किया। साथ ही नगर निगम से जुड़े विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शित स्टालों का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, अरुण कुमार सक्सेना, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायकगण वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, अमित सिंह चौहान, अभय सिंह, चंद्रभानु पासवान, बीजेपी जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, संतजन, पार्षदगण सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एनटीपीसी दादरी में पदयात्रा एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून 2025 को एनटीपीसी दादरी में पदयात्रा का आयोजन किया गया, जिसकी शुरूआत टाउनशिप परिसर स्थित उमंग क्लब से हुई। इस आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और कर्मचारियों व उनके परिवारों के बीच सतत जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था। इस पदयात्रा का नेतृत्व के. चंद्रमौलि, कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख (एनटीपीसी दादरी) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अभय कुमार मिश्र, महाप्रबंधक (ओ एंड एम), अजोयेन्दु दास, महाप्रबंधक (प्रचालन), एन. श्रीनिवास, महाप्रबंधक (यूएफएससी-वित्त कोषागार), श्रीमती दुर्गा कुमारी, अध्यक्षा (जागृति समाज), विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, जागृति समाज की सदस्याओं, परिवारों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पदयात्रा के उपरांत, राजभाषा उद्यानझस्मृति वन में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें GEM 2025 की प्रतिभागी बालिकाओं सहित अन्य उपस्थितजनों ने सक्रिय रूप से पौधारोपण किया। यह आयोजन ईएमजी विभाग द्वारा मानव संसाधन एवं टाउनशिप प्रशासन विभागों के सहयोग से संपन्न हुआ।

विकसित भारत का अमृतकाल: सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण

मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों पर विशेष जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ की कार्यशाला का किया गया आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'विकसित भारत का अमृतकाल-सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' विषय पर एक विशेष जन जागरूकता अभियान दिनांक 9 जून से 21 जून 2025 तक प्रदेश व्यापी स्तर पर संचालित किया जाएगा। इसी क्रम में आज गोल्डन व्यू रिजॉर्ट, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद में एक महानगर स्तरीय विशेष संगठनात्मक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशौदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। यह अभियान उस विकास गाथा को जन-जन तक पहुंचाने का एक संगठित प्रयास है। संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रियता, सहभागिता और प्रतिबद्धता ही इस अभियान की सफलता की कुंजी है। हमें मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक इस भावना को ले जाना है कि 'विकसित भारत-सबका साथ, सबका प्रयास' केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारी कार्यशैली का मूल आधार है। आगामी कार्यक्रमों की प्रमुख रूपरेखा के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने पूर्ण ब्यौरा निम्नवत दिया। 8 जून : भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्रियों द्वारा मीडिया संवाद।, 9 जून : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में प्रदर्शनी का उद्घाटन।, 10-11 जून : गाजियाबाद सहित सभी जिलों में केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी व प्रोफेशनल मीट।, 9 जून से 9 जुलाई : MyGov पोर्टल पर डिजिटल प्रतियोगिता 'बदलता भारत-मेरा अनुभव' (वीडियो, ब्लॉग, क्विज)।, 12-14 जून : सभी मंडलों में 'विकसित भारत संकल्प सभा'।, 15-17 जून : शक्ति केंद्रों पर 'चौपाल कार्यक्रम' एवं आयुष्मान कार्ड वितरण कैम्प।, 21 जून : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मंडलस्तरीय योग शिविर। सतेन्द्र शिशौदिया ने आगे बात बढ़ाते हुए कहा वृक्षारोपण कार्यक्रम 5 जून से चलकर 15 दिन तक लगातार चलेगा। जिसमें प्रत्येक व्यक्ति पांच पौधे लगाते हुए एक पौधा मां के नाम लगाएगा। 23 जून को श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस, 25 जून को आपातकाल का काला दिवस मनाया जाएगा। जिसके लिए प्रदर्शनी और संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

'प्रबुद्ध समागम' के अंतर्गत 50 विशिष्ट नागरिकों की वीडियो बाइट्स का सोशल मीडिया प्रचार।, प्रत्येक चौपाल में न्यूनतम 5 लाभार्थियों के अनुभव साझा कर प्रचारित किया जाएगा।, सरकार की उपलब्धियों पर आधारित साहित्य का घर-घर वितरण।, जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से मंडल व शक्ति केंद्र स्तर पर कार्यक्रम।, आमजन को MyGov व डिजिटल माध्यमों से भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा।, यह विशेष अभियान भारतीय जनता पार्टी की जनसेवा, राष्ट्र निर्माण तथा सामाजिक कल्याण के प्रति निष्ठा और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। गाजियाबाद महानगर की संपूर्ण इकाई इस अभियान को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। इस अवसर पर सांसद अतुल गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि मोदी सरकार ने बीते 11 वर्षों में राष्ट्र के हर क्षेत्र-आधारभूत संरचना, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक सुरक्षा-में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। यह अभियान हमें यह अवसर देता है कि हम इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं और जनता को बताएँ कि 'नया भारत' अब केवल सपना नहीं, साकार होती हकीकत है। गाजियाबाद की जनता ने हमेशा विकास का साथ दिया है और इस अभियान में भी उनका सहयोग निर्णायक रहेगा। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि आज भारत वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर रहा है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को जाता है। इस जनजागरूकता अभियान के माध्यम से हम न केवल सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों को उजागर करेंगे, बल्कि यह भी संदेश देंगे कि उत्तर प्रदेश और गाजियाबाद ने इस विकास यात्रा में अहम भूमिका निभाई है। हम सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हैं कि वे जन-जन तक यह संदेश पहुंचाएं और उन्हें इस बदलाव का सहभागी बनाएं। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस अभियान के लिए रनिता सिंह को महानगर संयोजक, गुंजन शर्मा, गौरव चोपड़ा एवं विनोद कसाना को सह-संयोजक बनाया गया है। उन्होंने क्षेत्रीय अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथिगण और सभी सहभागी सदस्यों, आज की इस महत्वपूर्ण कार्यशाला के समापन अवसर पर मैं आप सभी का हृदय से धन्यवाद एवं आभार प्रकट करता हूँ। इस कार्यशाला के माध्यम से हमने जिन विचारों, योजनाओं और कार्यनीतियों पर विचार-विमर्श किया है, वे निश्चित ही हमारे आगामी कार्यों के लिए दिशा-निर्देशक सिद्ध होंगे। मैं कार्यशाला के आयोजकों, सभी वक्ताओं, सहभागी गण, तकनीकी और व्यवस्थापकीय टीम का विशेष धन्यवाद करता हूँ, जिनके प्रयासों से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशौदिया ने आज वृक्षारोपण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण का कार्य भी किया।